

**न्यायालय उप खण्ड अधिकारी, सोजत जिला पाली**  
**पीठासीन अधिकारी:- श्रीमती कुसुमलता चौहान, आर.ए.एस.**

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थीगण
1. हीरालाल पुत्र पोकरराम जाति माली निवासी बेरा बिजोडिया जैतारणिया गेट के बाहर सोजत सिटी तह0 सोजत जिला पाली।	1. तेजाराम 2. चम्पालाल 3. सोहनलाल 4. केवलचंद पिसरान पोकरराम जातिगण माली निवासीगण बेरा बिजोडिया जैतारणिया गेट के बाहर सोजत सिटी तह0 सोजत जिला पाली।	1. तेजाराम 2. चम्पालाल 3. सोहनलाल 4. केवलचंद पिसरान पोकरराम जातिगण माली निवासीगण बेरा बिजोडिया जैतारणिया गेट के बाहर सोजत सिटी तह0 सोजत जिला पाली।
	5. तहसीलरदार (भूमिधाकर) तहसीलदार सोजत	5. तहसीलरदार (भूमिधाकर) तहसीलदार सोजत

**राजस्व प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी. एक्ट 1955**

राजस्व प्रा0 पत्र संख्या 144/2021

**उपस्थिति:-**

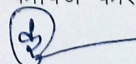
01. श्री प्रफुल्ल औझा अधिवक्ता प्रार्थी उपस्थित।
02. श्री महेन्द्र चौधरी अधिवक्ता अप्रार्थीगण उपस्थित।

-: निर्णय :-

दिनांक 01/07/2024

अधिवक्ता मय प्रार्थी ने राजस्व प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 212 आर.टी. एक्ट 1955 के तहत विरुद्ध अप्रार्थी इस आशय का प्रस्तुत कर निवेदन किया कि सरहद मौजा सोजत चक प्रथम के ख0नं0 4922 रकबा 0.1050 है0 किस्म चाही प्रथम, ख.नं. 4942/2 रकबा 0.0900 है0 किस्म चा0प्र0 की कृषि भूमि आयी हुई स्थित है। उक्त कृषि भूमि में प्रार्थी का 1/5 हक हिस्सा आता है। वादस्थ भूमि संयुक्त कब्जा काशत प्रार्थी एवं अप्रार्थी सं0 1 से 4 का है। वादस्थ भूमि का आदिनांक तक कोई विधिक बंटवाड़ा नहीं हुआ है। प्रार्थी बाई मिट्स एण्ड बाउण्डस बंटवाड़ा करवाना चाहता है। लेकिन अप्रार्थीगण ने साफ मना कर दिया एवं बोला की भूमि का बंटवाड़ा हो चुका है। तहसील में बुलाकर बहकावे में लेकर गलत बंटवाड़ा करवाया गया है। अप्रार्थीगण प्रार्थी के कब्जा काशत में अवरोध पैदा कर रहे हैं एवं बेदखल करने पर उत्तारु हैं। यदि वे ऐसा करने में सफल हो गये तो प्रार्थीगण को अपूर्ण्य क्षति होगी। इस प्रकार प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर वादस्थ भूमि का बेवान, रहन एवं अन्य हस्तान्तरण नहीं करने तथा प्रार्थी के कब्जे काशत में दखल अंदाजी नहीं करने अप्रार्थीगण को जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा रोके जाने की ईशतदुआ की है। इस पर प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण 1 से 4 की ओर से अधिवक्ता द्वारा जवाब प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थी ने तथ्य को गलत तरीके से पेश किया है। पक्षकारों के मध्य तहसील कार्यालय में दिनांक 09.09.2021 को आपसी सहमति का बंटवाड़ा किया जाकर तस्दीक किया गया है, तदनुसार प्रार्थी के रिकॉर्ड में बंटवाड़ा तस्मीम भी करवा दिया गया है। उक्त बंटवाड़ा स्वेच्छा से किया गया है। जिसके अनुसार पक्षकार अपने-अपने हक हिस्से पर काबिज काशत



  
 उपखण्ड आधिकारी,  
 सोजत (राज.)

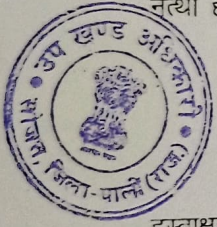
है। प्रार्थी को प्रार्थना पत्र एवं वाद चलाने योग्य नहीं हैं। लिहाजा प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज किये जाने की ईशतदुआ की है।

बहस वकुलाय सुनी गई। बहस के दौरान अधिवक्ता प्रार्थी ने निवेदन किया कि अप्रार्थीगण द्वारा घोखे में रखकर रजिस्ट्री साख डालने का बोल कर तहसील कार्यालय में बंटवाड़ा करवा दिया जो गलत है। प्रार्थी की भूमि में अप्रार्थीगण दखल अंदाजी करने पर उतारू हैं। जिन्हे जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा रोके जाने की ईशतदुआ की है। जवाब बहस में अधिवक्ता अप्रार्थीगण ने निवेदन किया कि भूमि का बंटवाड़ा पूर्व में हो चुका है। गलत तथ्य के आधार पर वाद एवं प्रार्थना पत्र पेश किया है। जो काबिल खारिज होने से खारिज किया जावें।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र, जवाब प्रार्थना पत्र फहरिस्त मय दस्तावेजात का अवलोकन कर बहस वकुलाय पर गौर व मनन किया गया। वस्तुतः पक्षकारान की प्रार्थीत भूमि संयुक्त सामलाती कृषि भूमि हैं। हस्तगत प्रकरण में सहखातेदार के विरुद्ध अस्थायी निषेधाज्ञा जारी किया जाना उचित नहीं समझते हैं।

—: आदेश :-

अधिवक्ता प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 212 आर.टी. एक्ट 1955 के तहत विरुद्ध अप्रार्थी का पोषणीय नहीं होने से खारिज किया जाता है। पत्रावली फौसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। बाद तकमील जाब्ला मूल वाद के साथ नत्थी हो।



(कुसुमलता चौहान)  
उपखण्ड अधिकांशीरसोजत  
सोजत (राज.)

यह निर्णय आज दिनांक 07/07/24 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(कुसुमलता चौहान)  
उपखण्ड अधिकांशीरसोजत  
सोजत (राज.)